आर.एन.आई नं. : HP-HIN/1999/3010

पोस्टल रजि. नं. SOLAN/96

निष्पक्ष, निर्भीक व बुलंद साप्ताहिक

हिमाचल वार्ता

E-paper : himachalvarta.com

Email: himachalvarta@gmail.com

वर्ष : 19 अंक : 44 | 13 सितंबर से 19 सितंबर, 2018 | मूल्य : 2 रुपया | वार्षिक : 100 रुपए

संरक्षक
ईश्वरचंद गुप्ता एडवोकेट
संपादक
राजेश राही
फोन नं. 094180-96004
मोबाइल नं. 098570-14001
सलाहकार
एस.पी. जैरथ
मोबाइल नं. 094182-27701

प्रदेश को मॉनसून के दौरान 1217.29 करोड़ रुपये का नुकसान : मुख्यमंत्री

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

शिमला। प्रदेश को वर्तमान मॉनसून के दौरान भारी बर्षा, बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं के कारण 1217.29 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने गत दिवस यहां 1 जुलाई से 17 सितंबर, 2018 तक राज्य में मॉनसून के दौरान हुए नुकसान और क्षति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग को वर्षा के कारण सड़कां, पुलों, डंगों और दीवारों को हुई क्षति से सर्वाधिक 735 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि यह पाया गया है कि भारी बारिश के साथ-साथ मलबे की अनियोजित डंपिंग भी सड़कों की क्षति का कारण रहा। उन्होंने कहा कि उचित डंपिंग स्थल चिन्हित किए जाने चाहिए और यह भी सुनिश्चित बनाया जाना चाहिए कि मलबे का निपटान चिन्हित स्थलों पर ही किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावी क्रॉस नालियां तथा सड़कों के किनारे ड्रेनेज सुविधाएं सुनिश्चित बनाई जानी चाहिए।

जय राम ठाकुर ने कहा कि सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग को 328.78 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। अनेक मुख्य, मध्यम व लघु पेयजल आपूर्ति और सिंचाई योजनाएं भूस्खलन व भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई। उन्होंने कहा कि कृषि व बागवानी क्षेत्र को 88.81 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, जबकि ऊर्जा क्षेत्र को 24.50 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य की क्षतिग्रस्त अधोसंरचनाओं की तत्काल बहाली व मुरम्मत कार्यों के लिए 229.64 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बादल फटने के 33 तथा भूस्खलन के 391 मामले सामने आए, जिनसे सम्पतति को भारी नुकसान हुआ। इस अवधि के दौरान कुल 264 लोगों की जाने गईं, जिनमें क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण सड़क दुर्घटनाओं से 199 मौतें शामिल हैं।

रेणुकाजी में गायत्री समारोह की अध्यक्षता पूर्व आयुर्वेदिक उपनिदेशक डा. के.आर. मोगटा ने की

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

श्री रेणुका जी। गायत्री मंदिर के 34वें स्थापना दिवस पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 9 श्रेष्ट लोगों को गायत्री पुरस्कार से नवाजा गया। मंच का संचालन दीपक जोशी ने बखूबी किया। गायत्री समारोह की अध्यक्षता आयुर्वेद विभाग से सेवानिवृत हुए डिप्टी डायरेक्टर डा. के आर मोगटा ने की। गायत्री मंदिर के संचालक एवं हिमाचल प्रांत के श्री महंत दयानन्द भारती ने बताया कि श्रेष्ट कानून व्यवस्था के लिए एसडीएम संगडाह राजेश धीमान व पीडबल्यूडी संगडाह के अधिसाशी अभियन्ता रतन चंद शर्मा को गायत्री पुरस्कार से नवाजा गया। समाज के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए राजकीय आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी रेणुका के डा. गौरव शर्मा व अम्बाला के डा. निखिल रस्तोगी को भी गायत्री पुरस्कार दिया गया। जिला सिरमौर की साहित्य व संस्कृति के संरक्षण देने व बेहतर कवरेज के लिए जिला सिरमौर के नाहन के चन्द्र ठाकुर को गायत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समाज सेवा के लिए दशमेश सेवा सोसायटी के चेयरमेन सेवानिवृत शिक्षक सर्वजीत सिह, हमीरपुर के सेवानिवृत सुबेदार मन्सा राम शर्मा व चूली ददाहू की महिला मण्डल प्रधान रेणु ठाकुर को गायत्री पुरस्कार दिया गया। पूर्व फुटबाल खिलाड़ी नाहन के धनराज स्वामी को गायत्री पुरस्कार से नवाजा गया। श्री भारती ने बताया कि इन पुरस्कारों को देने का उद्देश्य समाज में लोगों व अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना है। साथ ही उनके द्वारा किए गए कामों को प्रोत्साहित कर उनका मनोबल बढ़ाना हैं। ये समारोह आज गायत्री मंदिर रेणुका मे ऋषि पंचमी के अवसर पर आयोजित किया गया है। याद रहे हर वर्ष अधिकारियों कर्मचारियों व पत्रकारों को गायत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इस अवसर पर तारादत बलिन्द्र दत राजेन्द्र ठाकुर पूर्व सीईओ रविन्द्र गुप्ता कुलभूषण गोयल डा. प्रमोद पारिक डा. शरद त्रिवेदी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल ने 'शोभला कुलूत' स्मारिका का किया विमोचन

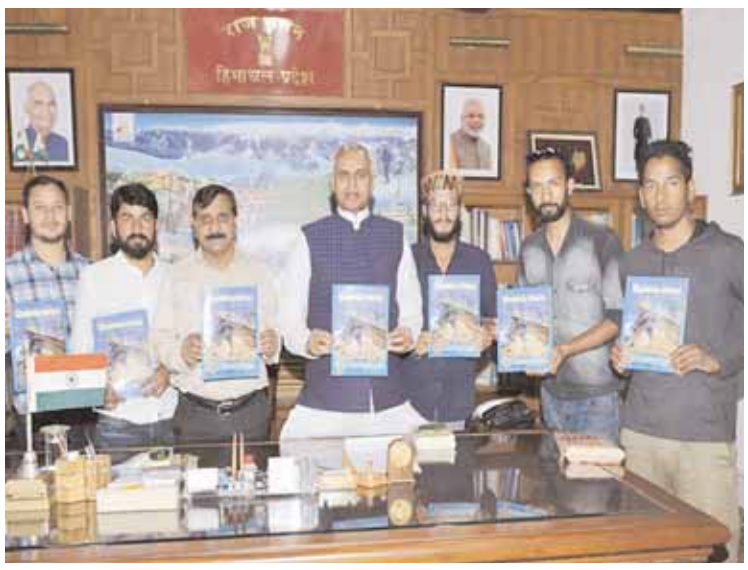

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

शिमला। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने गत दिवस राजभवन में कुल्लू स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की स्मारिका ''शोभला कुलूत'' के दूसरे संस्करण का विमोचन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि कुल्लू आदिकाल से ऋषि-मुनियों की तपोस्थली रही है तथा वर्तमान में अपनी समृद्ध संस्कृति और अलौकिक प्राकृतिक सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध है। एसोसिएशन के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्रीय संगठनों के माध्यम से जहां अपनी समृद्ध संस्कृति, उच्च परम्पराओं और रीति-रिवाजों का संरक्षण व प्रचार-प्रसार सुनिश्चित होता है वहीं एक सशक्त मंच भी उपलब्ध होता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एसोसिएशन के सभी सदस्य कुल्लू की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में इसी समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे।

राज्यपाल के सलाहकार डॉ. शशिकांत शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बर्मा पापड़ी और शंभूवाला में पीएचसी खोलने की स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा

विधानसभा अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री ने रखी कोलर और सुरला पीएचसी की आधारशिला

हिमाचलवार्ता समाचार सेवा

नाहन। विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिंदल और स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मंत्री श्री विपिन सिंह परमार ने गत दिवस कोलर और सुरला में 90-90 लाख की लागत से निर्मित होने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के भवन की संयुक्त रूप से आधारशिला रखी। इस अवसर पर हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना के तहत कोलर में 114 और सुरला में 104 पात्र महिलाओं को मुफ्त रसोईगैस कनेक्शन वितरित किए गए।

इस अवसर पर कोलर और सुरला में जनसभाओं को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने नाहन निर्वाचन क्षेत्र के बर्मा पापड़ी और शंभूवाला में दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को बेहतर एवं गुणात्मक स्वास्थ्य सेवाऐं प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है तथा इस दिशा में सरकार द्वारा प्रभावी पग उठाकर स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़िकरण पर विशेष बल दिया जा रहा हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गत आठ माह के दौरान विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में 300 चिकित्सक नियुक्त किए गए जबकि दो सौ चिकित्सक भरने की मंत्रीमण्डल ने स्वीकृती प्रदान कर दी है। इसके अतिरिक्त 732 स्टॉफ नर्स, 250 फार्मासिस्ट, रेडियोग्राफर और लैब सहायक के पदों को शीघ्र भरा जा रहा है ताकि प्रदेश के सभी अस्पतालों में लोगों को सस्ती एवं गुणात्मक स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध हो सके।

स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शीघ्र ही स्वास्थ्य राहत योजना आरंभ की जाएगी जिसके लिए बजट में 12 करोड़ का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत निर्धन परिवारों को इलाज के लिए तुरन्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना शीघ्र की आरंभ की जा रही है जिसके तहत महिला को प्रसूति के उपरांत एक किट प्रदान की जाएगी जिसमें शिशु के लिए सभी आवश्यक सामान उपलब्ध करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाऐं बिल्कुल चरमरा गई थी जिससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाऐं नहीं मिल रही थी। उन्होने कहा कि कोलर और सुरला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शीघ्र चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ को तैनात किया जाएगा ।